maximizing generation from existing units, strengthening T&D system in Delhi, adoption of better demand management and energy conservation measures.

(c) According to information furnished by DESU, the details of outstanding dues from DESU to Central utilities, as on 1.6.1996 (excluding surcharge/interest on overdue bills) were as follows:

Sl. No	Dues from DESU to	Rs. in Crores
1.	BTPS	2572.36
2.	NTPC	391.81
3.	NHPC	100.41
4.	RAILWAYS	71.72
5.	OTHERS	96.16

कच्चे तेल की खोज

1919. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान किन-किन स्थानों पर कच्चे तेल की खोज सफलतापूर्वक की गई है;

(ख) इनमें से प्रत्येक स्थान पर उत्पादित कच्चे तेल की मात्रा कितनी-कितनी है; और

(ग) बहुराष्ट्रीय कंपनियों तथा निजी कंपनियों द्वारा खोजे गये कुंओं की संख्या कितनी है तथा इनमें प्रत्येक कंपनी का अंश कितना-कितना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री टी० आर० बालू): (क) और (ख) 1994-95 और 1995-96 के दौरान निम्नलिखित नए कूपों/संरचनाओं में कच्चे तेल की खोज की गई:—

कूप/संरचना	बेसिन/क्षेत्र	
बी-15-2	पश्चिमी तट	(अपतट)
बी-193-1	पश्चिमी तट	(अपतट)
डब्ल्यू ओ-16-1	पश्चिमी तट	(अपतट)
डब्ल्यू ओ-15-2	पश्चिमी तट	(अपतट)
बी-15ए-1	पश्चिमी तट	(अपतट)
जी एस-23-1	पूर्वी तट	(अपतट)
पुंडी-2	कावेरी	(जमीनी)
किझवेलुर-1	कावेरी	(जमीनी)
खंबोई-1	कैम्बे	(जमीनी)
भेकुलाजान	असम	
रजाली	असम	
बोरहपजान	असम	
रूंगालीटिंग	असम	

जहां तक इन नई तेल और गैस संरचनाओं से उत्पादन की मात्रा का संबंध है, इसे आरेखन वेधन, परीक्षण उत्पादन आंकड़ों, निकासी-योग्य भंडारों के मूल्यांकन, पेट्रोभौतिकीय गुणों के निर्धारण आदि के माध्यम से पता लगाए जाने वाले क्षेत्र उत्पादन संभाव्यता आंकड़ों के तैयार होने के बाद ही निर्धारित किया जा सकता है।

(ग) एवार्ड किए गए ब्लाकों में निजी / बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए अन्वेषण प्रयासों से अब तक तेल की कोई महत्वपूर्ण प्राप्ति नहीं हुई है।

अकुशल मजदूरों की स्थिति

1920. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि के बावजूद अकुशल मजदूरों की स्थिति में बिल्कुल सुधार नहीं हुआ है और वे अभी भी गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का निर्धारण करने के लिए क्या-क्या मानदण्ड अपनाये गये हैं;

(घ) देश में ऐसे लोगों की राज्य-वार अनुमानित संख्या कितनी-कितनी है; और

(ङ) इसके क्या कारण है?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र के० अलघ): (क) और (ख) गरीबी घरेलू उपभोक्ता व्यय के आधार पर आंकी